बिहार स्पेशल

मुख्यमंत्री वाहन चालक कल्याण योजना-2024

चर्चा में क्यों?

बिहार कैबिनेट ने **मुख्यमंत्री वाहन चालक कल्याण योजना-2024** के शुभारंभ से संबंधित राज्य परिवहन विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- **योजना का उद्देश्य**: बिहार के मूल निवासी और राज्य से ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वाले वाणिज्यिक वाहन चालकों के कल्याण है।

योजना के मुख्य प्रावधान:

- **योजना के तहत:**
  - वाणिज्यिक वाहन चालकों का बीमा किया जाएगा और उन्हें प्रशिक्षण, नियमित स्वास्थ्य जांच आदि जैसे कई अन्य लाभ मिलेंगे।
  - उन्हें पहले खुद को पंजीकृत कराना होगा उसके उपरांत उन्हें विशिष्ट पहचान संख्या प्रदान की जाएगी।
- मृत्यु की स्थिति में, उनके परिजनों को वित्तीय लाभ और अन्य सुविधाएँ मिलेंगी।

अर्थव्यवस्था

मौद्रिक नीति समिति

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, **1934 की धारा 45ZB** के अनुसार मौद्रिक नीति समिति (MPC) का पुनर्गठन किया है।

समिति के बारे में:

- आरबीआई अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, समिति में छह सदस्य होते हैं: तीन सदस्य आरबीआई से और तीन सदस्य केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त किये जाते हैं।
- **एमपीसी में निम्नलिखित सदस्य होंगे:**
  - अध्यक्ष: भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर।
  - सदस्य: भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर, मौद्रिक नीति के प्रभारी।
  - केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित भारतीय रिजर्व बैंक का एक अधिकारी।
  - सदस्य: प्रो. राम सिंह, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय।
  - सदस्य: सौगत भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री
  - सदस्य: डॉ. नागेश कुमार, निदेशक और मुख्य कार्यकारी, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली।
- **सदस्यों की नियुक्ति:**
  - आरबीआई गवर्नर सहित तीन प्रतिनिधियों की नियुक्ति करता है, जबकि शेष तीन सदस्य बाहरी नियुक्तियाँ हैं।
  - आरबीआई गवर्नर, कैबिनेट सचिव और आर्थिक मामलों के सचिव वाला एक चयन पैनल एमपीसी के बाहरी सदस्यों को चुनने के लिए जिम्मेदार है।
  - इन पदों के लिए अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री कार्यालय के पास है।
- **सदस्यों का कार्यकाल:**
  - केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त समिति के सदस्य तत्काल प्रभाव से चार वर्ष की अवधि तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे।
- **समिति द्वारा मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण:**
  - यह सीपीआई-आधारित मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढांचे का अनुसरण करता है और वर्तमान में मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य रखता है, जिसमें ±2 प्रतिशत अंकों की सहनशील सीमा की अनुमति है।

पर्यावरण एवं भूगोल

आक्रामक फ्लैटवर्म की नई प्रजाति

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका में आक्रामक फ्लैटवर्म की एक नई प्रजाति की खोज की गई है और यह दक्षिणी अमेरिका के कई राज्यों में पाई गई है।

प्रजाति के बारे में:

- **अमागा स्यूडोबामा** नामक इस प्रजाति की खोज शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने की थी और इसे पहली बार **2020 में उत्तरी कैरोलिना** में देखा गया था।
  - इसे दक्षिण अमेरिका का मूल निवासी माना जाता है।
  - उत्तरी कैरोलिना के अलावा, यह प्रजाति फ्लोरिडा और जॉर्जिया में भी मौजूद है और हो सकता है कि यह पहले ही अन्य राज्यों पर आक्रमण कर चुकी हो।
- **महत्व:** यह नई प्रजाति दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका में खोजी गई अन्य आक्रामक फ्लैटवर्म प्रजातियों में शामिल हो गई है, जिसमें प्लेटिडेमस मनोक्कारी भी शामिल है।

रक्षा एवं सुरक्षा

नाविका सागर परिक्रमा II

चर्चा में क्यों?

भारतीय नौसेना नौकायन पोत (INSV) तारिणी ने नाविका सागर परिक्रमा II नामक एक ऐतिहासिक वैश्विक परिक्रमा मिशन के दूसरे संस्करण के लिए रवाना किया।

- इस अभियान को 2 अक्टूबर, 2024 को गोवा के INS मंडोवी में नौसेना महासागर नौकायन नोड से रवाना किया गया।
- **महत्व:**
  - यह ऐतिहासिक घटना नौसेना महासागर नौकायन इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह भारतीय महिलाओं द्वारा डबल हैंडेड मोड में नौकायन पोत पर सवार होकर दुनिया की पहली परिक्रमा है।
    - ✓ लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा, कैप्टन दिलीप डोंडे, 2009-10 में दुनिया की परिक्रमा करने वाले पहले भारतीय और कमांडर अभिलाष टॉमी, जो 2022 में प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब रेस को पूरा करने वाले पहले एशियाई कप्तान बने, द्वारा स्थापित विरासत को आगे बढ़ाएंगे।
- **इस मिशन का इतिहास:**
  - इसकी कल्पना पहली बार 2017 में की गई थी, जब छह भारतीय नौसेना अधिकारियों के एक महिला दल ने सफलतापूर्वक विश्व की परिक्रमा की थी।

मिशन के बारे में:

- यह 21,600 समुद्री मील (लगभग 40,000 किमी) से अधिक की दूरी तय करेगा और आवश्यकतानुसार पुनःपूर्ति और रखरखाव के लिए चार बंदरगाहों पर रुकते हुए पाँच चरणों में पूरा होगा। यात्रा की व्यापक रूपरेखा इस प्रकार होगी:
  - गोवा से फ्रेमेंटल, ऑस्ट्रेलिया
  - फ्रेमेंटल से लिटलटन, न्यूजीलैंड
  - लिटलटन से पोर्ट स्टेनली, फ़ॉकलैंड
  - पोर्ट स्टेनली से केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका
  - केप टाउन से गोवा

- आईएनएसवी तारिणी मेसर्स एक्केरियस शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित 56 फुट का नौकायन पोत है जिसे 18 फरवरी 2017 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

विविध

दुनिया का सबसे पुराना आईलाइनर

चर्चा में क्यों?

पुरातत्वविदों ने तुर्की के एक प्रागैतिहासिक शहर के खंडहरों से सबसे पुराना आईलाइनर खोजा है।

- **महत्व:** इससे यह साबित हो गया है कि मनुष्य 8,000 साल से भी पहले मेकअप का इस्तेमाल करते थे।

आईलाइनर के बारे में:

- कोहल स्टिक, जो एक तरह का आईलाइनर है जो आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय है, येसिलोवा होयुक में पाया गया था जो पश्चिमी तुर्की में एक प्राचीन बस्ती है।
- इसे हरे सर्पीन पत्थर का उपयोग करके बनाया गया है और इसके सिरे पर काले रंग के निशान हैं, इसे इस्तेमाल किए जाने के 8,200 साल से भी ज़्यादा समय बाद।
- यह लगभग 10 सेमी लंबा और एक सेंटीमीटर मोटा है और प्राचीन काल में येसिलोवा होयुक के लोगों द्वारा विकसित विभिन्न कलाकृतियों में से एक है।

खेल

खो-खो विश्व कप, 2025

चर्चा में क्यों?

भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतर्राष्ट्रीय खो-खो महासंघ की घोषणा के अनुसार **भारत 2025 में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेज़बानी करेगा।**

इस आयोजन के बारे में:

- इसमें छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे, जिनमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें शामिल होंगी।

महत्व:

- खो-खो विश्व कप का उद्देश्य इस स्वदेशी भारतीय खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना है।
  - खो-खो की जड़ें भारत में हैं और विश्व कप इस खेल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिस्पर्धी भावना को उजागर करेगा।
  - कीचड़ से शुरू हुआ और अब मैट पर आ चुका यह खेल वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है और दुनिया भर में 54 देश इस खेल को खेलते हैं।

महत्वपूर्ण दिन/ तिथियाँ

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

चर्चा में क्यों?

यह प्रतिवर्ष 2 अक्टूबर को मनाया जाता है और महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है।

- **इस दिन का इतिहास:**
  - इसकी घोषणा 2007 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई थी और यह समाज को आकार देने में अहिंसा की शक्ति की याद दिलाता है।
- **इस दिन का महत्व:**
  - यह महात्मा गांधी के शांति और अहिंसा के स्थायी दर्शन की वैश्विक याद दिलाता है।
- **गांधीजी की विरासत का जश्न:**
  - 2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत मिशन) महात्मा गांधी के स्वच्छता के दर्शन को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक बनाने वाले सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है।
  - स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 अभियान, जिसका विषय 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' है, 17 सितंबर 2024 से 1 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित किया गया था।
    - ✓ अभियान का समापन 2 अक्टूबर, 2024 को गांधी जयंती के साथ हुआ, जो स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ है।
  - 11 सितंबर, 2024 को केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली के राजघाट स्थित गांधी दर्शन में महात्मा गांधी को समर्पित एक विशेष रेलवे कोच का उद्घाटन किया।

❍❍❍❍

PW Web/App: https://smart.link/7wwosivoicgd4
For more such content, subscribe to our Telegram Channelhttps://t.me/pw_upsc
PSC WALLAH